बाल विवाह पर कविता

नन्हे परों को उड़ने दो।
खेलें खायें और पढ़ने दो।

अभी न जकड़े बंधन में।
बाल-विवाह के चलन में।

अभी उम्र है इनकी अक्षम।
पढ़ने-लिखकर बन जायें सक्षम।

बहुत हो गया बंद करो।
बाल-विवाह खत्म करो।

नाम-कुमारी काजल
कक्षा-7
कस्तूरबा गाँधी
आवासीय बालिका विद्यालय
खजुरी कौराज इलाहाबाद।